

УТВЕРЖДАЮ:

*Передатчиком коллектива по природной
лесной территории*
Я.С. Бондарь
фамилия, имя и отчество (при наличии)
04.07.2022 г.
дата

Акт
лесопатологического обследования № 024-КГ-92-22/47

лесных насаждений _____ Рощинского _____ (лесничество)
Ленинградской области _____ (субъект Российской Федерации)

Способ лесопатологического обследования:

1. Визуальный

☒

2. Инструментальный

☐

Место проведения

| Участковое лесничество | Урочище (дача) | Квартал | Выдел | Площадь выдела, га | Лесопатологи- ческий выдел | Площадь лесопатологи- ческого выдела, га |
|------------------------|-------------------|---------|-------|-----------------------|-------------------------------|---|
| Глебычевское | - | 65 | 26 | 4,00 | 26.4 | 3,00 |

Лесопатологическое обследование проведено на общей площади 3,00 га.

Кадастровый номер участка: _____ б/н

(для участков, предоставленных в постоянное (бессрочное) пользование, аренду)

Документ о праве пользования :

договор аренды от 26.12.2008 №2-2008-12-264-3, заготовка древесины

(тип документа о праве пользования, дата, номер, вид разрешенного использования лесов)

1. Визуальное (рекогносцировочное) лесопатологическое обследование
(раздел включается в акт, в случае проведения лесопатологического обследования
визуальным способом).

Наземное ☒

Дистанционное ☐

1.1 На площади 3,00 га фактическая таксационная характеристика лесного насаждения соответствует
(не соответствует) таксационному описанию (нужное подчеркнуть).

Причины несоответствия _____

Ведомость участков с выявленными несоответствиями приведена в приложении 1 к Акту

1.2 Лесные насаждения с нарушенной и утраченной устойчивостью выявлены на
площади 3 га:

| Участковое лесничество | Урочище (дача) | Квартал | Выдел | Площадь (га) насажденной | | Причины ослабления, повреждения |
|------------------------|-------------------|---------|-------|-------------------------------|-------------------------------|--|
| | | | | с нарушенной устойчивостью | с утраченной устойчивостью | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| Глубычевское | - | 65 | 26 | 3,0 | - | Короед-типограф (343), Ветровал прошлых лет (821), Бурелом прошлых лет (822). |
| Итого | - | - | - | 3,0 | - | |

Состояние обследованных лесных насаждений приведено в приложениях 1.1-1.4 к Акту в зависимости
от метода проведения ЛПО.

1.3 В обследованных лесных насаждениях прогнозируется:

| Прогноз | Площадь, га |
|--|-------------|
| 1 | 2 |
| Ослабление лесных насаждений | - |
| Усыхание лесных насаждений различной степени | - |
| Развитие очагов вредных организмов | - |

1.4 Обнаружено загрязнение лесного участка отходами и выбросами:

промышленными ☐

бытовыми ☐

| Вид загрязнения | Размеры загрязнения | | | Объем, куб.м | Площадь загрязнения, га |
|-----------------|---------------------|-----------|-----------|--------------|-------------------------|
| | длина, м | ширина, м | высота, м | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| - | - | - | - | - | - |

ЗАКЛЮЧЕНИЕ

Оценка текущего санитарного и лесопатологического состояния лесных насаждений, назначенные
профилактические мероприятия по защите лесов, заключение о необходимости проведения
инструментального ЛПО

| Участковое лесничество | Урочище (дача) | Квартал | Выдел | Площадь выдела, га | Лесопатологический выдел | Площадь лесопатологическог о выдела, га | Вид мероприятия | Рекомендуемый срок проведения мероприятия |
|---------------------------|----------------|---------|-------|--------------------|-----------------------------|---|------------------|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| Глубычевское | | 65 | 26* | 4,00 | 26,4 | 3 | СОМ не требуется | 2022-2024 год |

*Согласно статье 19 постановления Правительства РФ от 9.12.2020 № 2047 "Об утверждении правил санитарной безопасности в лесах" мероприятия по предупреждению распространения вредных организмов осуществляются в сильно ослабленных, усыхающих и погибших насаждениях. Насаждение, расположенное в выделе 26 квартала 65 Глубычевского участкового лесничества Рошинского лесничества Ленинградской области является ослабленным насаждением (СКС = 2,06), в которых согласно действующему законодательству мероприятия по предупреждению распространения вредных организмов не осуществляются. В выделе протекает ручей

Дата проведения обследования 02.06.2022

Дата составления документа 22.06.2022

Исполнитель работ по проведению лесопатологического обследования:

Фамилия, имя и отчество (при наличии) Утесинова М.А.

Организация Филиал ФБУ "Рослесозащита" - "Центр защиты леса Ленинградской области"

Должность ведущий инженер отдела ЗЛ и ГЛПМ Подпись 

Телефон 8 (812) 552-73-55

Ведомость участков леса с выявленными несоответствиями таксационным описаниям

| | | | |
|------------------------------|-----------------------|-----------------------|-----------|
| Субъект Российской Федерации | Ленинградская область | Лесничество | Рощинское |
| Участковое лесничество | Глубычевское | Урочище (лесная дача) | - |

| Год проведения лесосурейств | Номер квартала | Номер выдела | Площадь выдела, га | Целевое назначение лесов | Категория защитных лесов | ОЗУ | Источники данных | Номер лесопатологического выдела | Площадь лесопатологического выдела, га | Таксационная характеристика | | | | | | | | | | Заложено пробных площадей | |
|-----------------------------|----------------|--------------|--------------------|--------------------------|--------------------------|-----|------------------|----------------------------------|--|-----------------------------|--------|--------------|-------------------|---------------------|----------|---------|---------|-----------------|-----------------|---------------------------|--|
| | | | | | | | | | | состав | порода | возраст, лет | средняя высота, м | средний диаметр, см | тип леса | полнота | бонитет | запас, куб м/га | количество, шт. | Общая площадь, га | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | |
| | | | | | | | ТО | х | х | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | Ф | | | | | | | | | | | | | | |

Условные обозначения:

ТО - таксационные описания
Ф - фактическая характеристика лесного насаждения

Исполнитель работ по проведению лесопатологического обследования:

Фамилия, имя и отчество (при наличии)

Утешинова М.А.

Подпись

Дата составления документа

22.06.2022

Результаты проведения лесопатологического обследования лесных насаждений за

Субъект Российской Федерации _____
Участковое лесничество _____

Ленинградская область
Глубычское

Лесничество

Рощинское

июнь _____ г. 2022

Урочище (лесная дача)

| Номер квартала | Номер выдела | Площадь выдела, га | Целевое назначение лесов | Категория защитных лесов | ОЗУ | Номер лесопатологического выдела | Площадь лесопатологического выдела, га | Таксационная характеристика лесного насаждения | | | | | | | | | Число деревьев на временной пробной площади, шт. | Распределение деревьев по категориям состояния, % от запаса | | | | | | | | | | | | | | | | Причина ослабления, повреждения | COM не требуется | | | | 300 | Назначенные мероприятия | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----------------|--------------|--------------------|--------------------------|--------------------------|-----|----------------------------------|--|--|--------|---------|---------------|-----------------|----------|---------|---------|--------------|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---------------------------------|------------------|---|---|---|-----|-------------------------|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | | | состав | попoда | возраст | ср. высота, м | ср. диаметр, см | тип леса | полнота | бонитет | запас, км/га | | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | | Н | Р | Н | Р | | | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р | Н | Р |

Условные обозначения: П - деревья не подлежат рубке; Р - деревья подлежат рубке.
Исполнитель работ по проведению лесопатологического обследования:

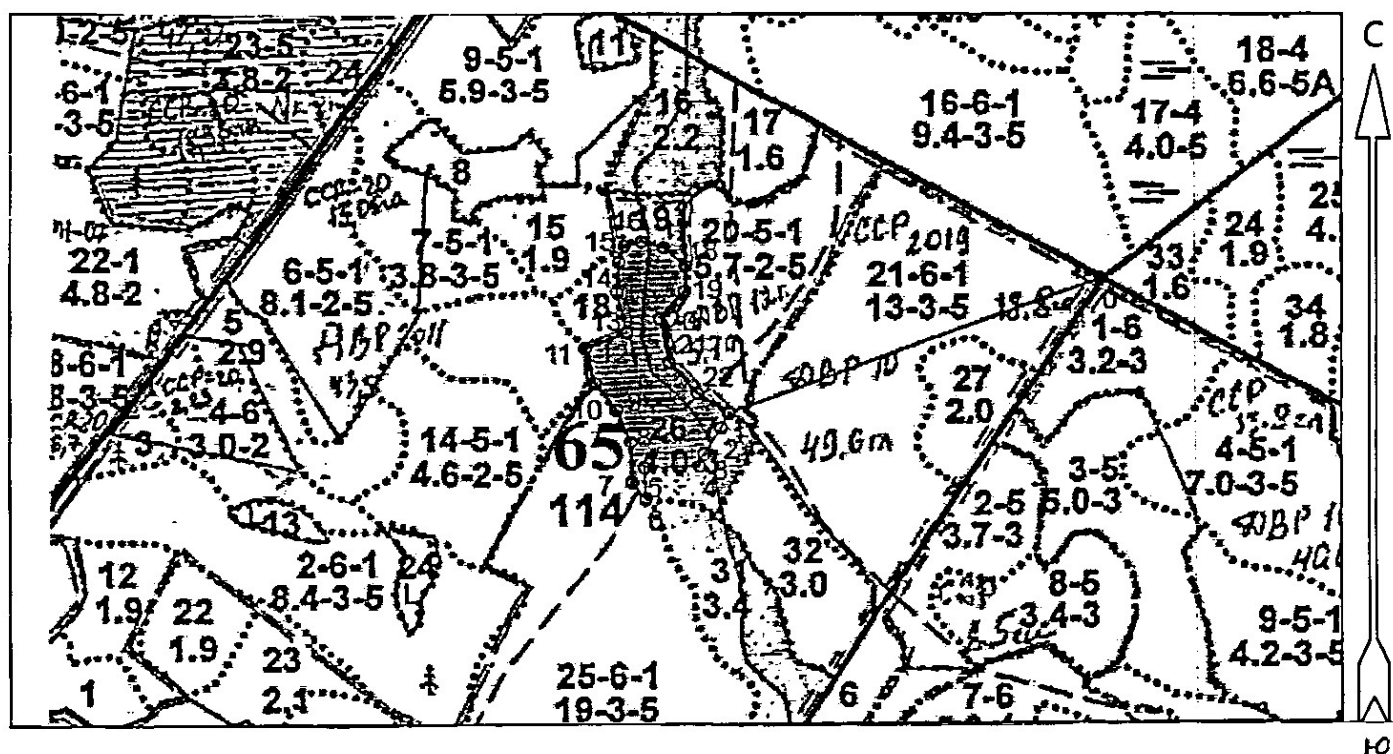
Фамилия, имя и отчество (при наличии)
Дата составления документа

Утесникова М.А.
22.06.2022

Подпись

Абрис участка
Рошинское лесничество
Глебычевское участковое лесничество
кв. 65, выд. 26, лп. выд. 26.4, площадь лп. выд. 3 га.

Масштаб 1:10000



Условные обозначения:

COM не требуется

| N квартала | N выдела | N лесопатологического выдела | Размеры ленты (круговой площадки) перечета | | | | | Координаты начала, конца и поворотных точек лент перечета/центров круговых площадок перечета |
|------------|----------|------------------------------|--|----------|-----------|-----------|-------------|--|
| | | | N ленты (площадки) | длина, м | ширина, м | радиус, м | площадь, га | |
| 65 | 26 | 26.4 | | | | | 3 | |

Пространственное размещение лесопатологических выделов
(включается в Акт при выделении лесопатологических выделов, для указания пространственного расположения поврежденных и погибших насаждений)

| Номера точек | Координаты | | Длина, м |
|--------------|-------------|-------------|----------|
| 0-1 | 60.45932398 | 28.83449267 | 525 |
| 1-2 | 60.45766019 | 28.82554045 | 24 |
| 2-3 | 60.45746947 | 28.82535535 | 43 |
| 3-4 | 60.45713843 | 28.8249473 | 17 |
| 4-5 | 60.45699194 | 28.82483926 | 73 |
| 5-6 | 60.45697418 | 28.82350674 | 44 |
| 6-7 | 60.45658354 | 28.82354275 | 29 |
| 7-8 | 60.45678774 | 28.82320963 | 56 |
| 8-9 | 60.45728936 | 28.82317361 | 49 |
| 9-10 | 60.45769525 | 28.82282908 | 47 |
| 10-11 | 60.45802963 | 28.82232086 | 50 |
| 11-12 | 60.45845853 | 28.8220739 | 59 |
| 12-13 | 60.45864772 | 28.82307457 | 59 |
| 13-14 | 60.45916097 | 28.82283576 | 41 |
| 14-15 | 60.4595311 | 28.8228855 | 24 |
| 15-16 | 60.4597353 | 28.82301155 | 24 |
| 16-17 | 60.4597909 | 28.82342656 | 31 |
| 17-18 | 60.45971543 | 28.82396806 | 39 |
| 18-19 | 60.4594808 | 28.82449155 | 34 |
| 19-20 | 60.45917767 | 28.8244714 | 51 |
| 20-21 | 60.45882931 | 28.82386946 | 62 |
| 21-22 | 60.45828266 | 28.82410569 | 55 |
| 22-1 | 60.45791211 | 28.82477195 | 51 |

Исполнитель работ по проведению лесопатологического обследования:

Фамилия, имя и отчество (при наличии)

Утеснинова М.А. Подпись



Дата составления документа 22.06.2022